भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय

# ई- समाचार पत्रिका

प्रति संख्या 1/2023-24 अप्रैल-जून 2023

निदेशालय के सभी प्रभागों ने पिछले वित्तीय वर्ष के कार्य और उपलब्धियों की संपूर्ण समीक्षा करने के साथ ही वित्त-वर्ष 2023-24 के लक्ष्यों को बेहतर तरीके से हासिल करने एवं किसानों के हित में सक्रिय योगदान के उद्देश्य से नए उत्साह के साथ 2023-24 के लिए अपनी गतिविधियों की शुरुआत कर दी हैं ।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान निदेशालय ने 230 किसान खेत पाठशाला, 121 दो और पांच दिवसीय आईपीएम ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं जिसमें 14,554 किसानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, एनजीओ, कृषि इनपुट डीलरों को आईपीएम तकनीक पर प्रशिक्षित किया गया । नशीजीव निगरानी के लिए कुल 11.01 लाख हेक्टेयर फसल क्षेत्र का सर्वेक्षण किया गया, 1.77 लाख हेक्टेयर में कीट प्रबंधन के लिए जैव नियंत्रण एजेंटों को जारी किया गया तथा 7.22 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में जैव-एजेंटों के प्राकृतिक आवास को सफलतापूर्वक संरक्षित किया गया।

वनस्पति संगरोध प्रभाग ने 5,92,082 पादप स्वच्छता प्रमाणपत्रों की जारी करके लगभग 509.3 लाख मीट्रिक टन कृषि एवं उद्यानिकी उत्पादों के निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वनस्पति संगरोध केन्द्रों ने आयातित पौध उत्पादों का गहन निरीक्षण किया, जिससे 1005 संगरोध नाशीजीवों की पहचान कर देश में इन जैव सुरक्षा जोखिमों के प्रवेश को रोका जा सका । निर्यात को सहयोग के लिए 3304 पादप स्वच्छता उपचार प्रदाता, प्रसंस्करण इकाइयाँ और पैक हाउसों को पंजीकृत किया गया और कृषि निर्यात प्रमाणपत्रों को सरल बनाने का उद्देश्य से 31 पादप स्वच्छता सेवा प्रदाता (पीएसएसपी) द्वारा भी निरीक्षण कार्य शुरू कर दी गईं है।

यह बहुत सम्मान की बात है कि एशिया प्रशांत पादप संरक्षण आयोग (एपीपीपीसी) के आईपीएम स्थायी समिति की अध्यक्षता की जिम्मेदारी निदेशालय को द्विवार्षिक 2023-24 के लिए मिली है। इसी क्रम में निदेशालय ने एपीपीपीसी के साथ संयुक्त रूप से 19-23 जून, 2023 को मुंबई में "आम पर फल मक्खियों के प्रबंधन के लिए सिस्टम एप्रोच" पर पांच दिवसीय कार्यशाला की सफलतापूर्वक मेजबानी की । जिसमें एपीपीपीसी सचिवालय एवं 14 देशों के 36 प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यशाला का उद्घाटन माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे जी ने किया। कार्यक्रम में आम पर फल मक्खियों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए फसल पूर्व एकीकृत कीट प्रबंधन, फसल और कटाई के बाद के प्रबंधन एवं उपचार विधियों पर सार्थक चर्चा की गयी ।

## वनस्पति संरक्षण सलाहकार की कलम से....

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की दिशा में निदेशालय ने , “रसायनों और अपशिष्टों के ठोस प्रबंधन” को आगे बढ़ाने के लिए 8-12 मई 2023 के दौरान जिनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित सहभागी सम्मेलन (सीओपी) में भाग लिया तथा 26-27 जून 2023 के दौरान नैरोबी, केन्या में एफएओ- ग्लोबल एक्शन प्लान फॉर फॉल आर्मी वर्म के तहत ग्लोबल फोरम ऑन बायोलॉजिकल कंट्रोल (जीबीएफसी) में भी भाग लिया।

निदेशालय और उसके क्षेत्रीय कार्यालयों ने इस अवधि में दो महत्वपूर्ण आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लिया, अर्थात् "21 जून, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस", और "05 जून, 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस"।

मुझे विश्वास है कि निदेशालय बेहतरीन प्रयास, व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से कीट निगरानी, पूर्व चेतावनी, आवश्यक सलाह समय पर जारी करने, आईपीएम में मानव संसाधन विकास, पादप स्वच्छता निरीक्षण और प्रमाणन, कीटनाशक पंजीकरण और गुणवत्ता नियंत्रण, टिड्डी निगरानी और नियंत्रण से संबंधित कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करके कृषक समुदाय की सेवा करना जारी रखेगा।

**- डॉ. जे. पी. सिंह**
**वनस्पति संरक्षण सलाहकार**

## सूची


- प्रमुख कार्यक्रम
- अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता
- द्विपक्षीय फाइटोसेनेटरी समझौता
- प्रशिक्षण और कार्यशालाएं
- विशिष्ट उपलब्धि एवं समारोह
- मीडिया कवरेज


# प्रमुख कार्यक्रम

### एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन (सीआईपीएमसी के प्रयास):

- इस अवधि के दौरान 1.67 लाख हेक्टेयर फसल क्षेत्र का सर्वेक्षण किया गया और महत्वपूर्ण नाशीजीवों के प्रबंधन के लिए 03 परामर्शिकाएं जारी की गईं ।
- नाशीजीव प्रबंधन के लिए 0.22 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में 576.4 मिलियन जैव-नियन्त्रण कारक जारी किए गए।
- 1.15 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में जैव- नियंत्रण कारकों का सफलतापूर्वक संरक्षण किया गया।

### वनस्पति संगरोध (व. सं. केन्द्रों द्वारा किए गए प्रयास):

- कृषि उत्पादों के निर्यात को सुगम बनाने के लिए 127.45 लाख मीट्रिक टन कृषि उत्पादों के लिए कुल 1,50,190 पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र जारी किये गए।
- 42.78 लाख मीट्रिक टन आयातित कृषि उत्पादों का निरीक्षण उपरांत कुल 31,650 आयात निगमन आदेश जारी की गई।
- पादप संगरोध निरीक्षण के दौरान आयातित कृषि उत्पादों में 661 संगरोध नाशीजीवों की पहचान कर भारत में प्रवेश को रोकने में सफलता मिली ।

### टिड्डी चेतावनी संगठन (एल.डब्ल्यू.ओ./एल.सी.ओ./एफ.एस.आई.एल. द्वारा किए गए प्रयास):

- रेगिस्तानी टिड्डी सर्वेक्षण 48.507 लाख हेक्टेयर में किया गया एवं भारत और पड़ोसी देशों में टिड्डियों की मौजूदा स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कुल 06 टिड्डी सूचना बुलेटिन प्रकाशित किये गए ।
- भारत-पाक सीमा बैठक में भौतिक रूप से भाग लिया और दक्षिण-पश्चिम एशिया में रेगिस्तानी टिड्डियों को नियंत्रित करने के लिए एफएओ आयोग (एसडब्ल्यूएसी) की प्रारंभिक डेजर्ट टिड्डी नियंत्रण समिति (डीएलसीसी) सत्र के तहत सदस्य देशों के साथ आनलाइन बैठक में भाग लिया।

### केंद्रीय कीटनाशक प्रयोगशाला (सीआईएल), क्षेत्रीय नाशीजीव जांच प्रयोगशाला (आरपीटीएल) और तकनीकी विधायी अनुभाग:

- ✓समाप्त तिमाही के दौरान आर.पी.टी.एल. के द्वारा कुल 640 नाशीजीवनाशकों के नमूनों का परीक्षण किया गया इनमें से 47 को निम्न मानक (Misbranded) घोषित किया गया।
- ✓सी.आई.एल. ने 466 नाशीजीवनाशकों के नमूनों का परीक्षण किया, जिनमें से 92 निम्न मानक (Misbranded) के पाए गए।
- ✓पंजीकरण समिति के द्वारा कुल 39761 नाशीजीवनाशकों के लिए पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया गया जिसमें 27 नए रासायनिक अणुओ (Molecules) के लिए जारी हुए ।

### नई नियुक्तियां:

समाप्त तिमाही के दौरान निदेशालय में कुल 34 नए लोगों ने सहायक निदेशक, सहायक पौध संरक्षण अधिकारी, वैज्ञानिक सहायक , तकनीकी सहायक, मल्टी-टास्किंग स्टाफ, डाटा प्रोसेसिंग सहायक और निम्न श्रेणी लिपिक आदि के पद पर में योगदान दिया ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति , अमृतसर के द्वारा सत्र 2022- 23 के लिए राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता में क्षेत्रीय वनस्पति संगरोध केंद्र, अमृतसर को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया।

**योजना और समन्वय इकाई:**

निदेशालय के 37 नवनियुक्त कर्मचारियों को राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (NIPHM) हैदराबाद में प्रारंभिक / परिचयात्मक प्रशिक्षण दिया गया। इसी अवधि के दौरान सूचना का अधिकारके तहत प्राप्त कुल 32 आर.टी.आई. अनुरोध एवं 34 परिवाद का समाधान किया गया।

**राजभाषा हिन्दी :** राजभाषा की संसदीय समिति ने 12.05.2023 को मंत्रालय एवं विभाग के वरिष्ठ वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में क्षेत्रीय पादप संगरोध केंद्र, अमृतसर के द्वारा राजभाषा में किए गए हिंदी के कार्यों की समीक्षा की।

## गणमान्य अतिथियों का भ्रमण

माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे ने वाशी, नवी मुंबई में ताजे फल और सब्जियों के लिए

एकीकृत पैक हाउस और उपचार सुविधाओं का भ्रमण किया। उन्होंने पादप स्वछता निरीक्षण और प्रमाणन सहित ताजे फल और सब्जियों के निर्यात में शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं का भी अवलोकन किया।

श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव (पीपी) ने क्षेत्रीय पादप संगरोध केंद्र, मुंबई और इसकी उप इकाइयों का दौरा कर प्रयोगशाला सुविधाओं, पादप स्वच्छता निरीक्षण एवं प्रमाणन तथा पैक हाउस सुविधाओं का अवलोकन किया।

# अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता

## बेसल, रॉटरडैम और स्टॉकहोम सम्मेलनों में सहभागी सदस्यों का सम्मेलन

डॉ. अर्चना सिन्हा, संयुक्त निदेशक (रसायन विज्ञान) ने 8-12 मई के दौरान जिनेवा, स्विटज़रलैंड में "रसायनों और अपशिष्टों के ठोस प्रबंधन" को सामूहिक रूप से आगे बढ़ाने के लिए "बेसल, रॉटरडैम और स्टॉकहोम कन्वेंशन के सहभागियों के सम्मेलन" में भाग लिया।

## ग्लोबल फोरम ऑन बायोलॉजिकल कंट्रोल (जीबीएफसी)

डॉ. सुनीता पांडे, उप निदेशक (की.वि.) ने 26-27 जून 2023 के दौरान नैरोबी, केन्या में आयोजित एफ.ए.ओ.-ग्लोबल एक्शन प्लान फॉर फॉल आर्मी वर्म के तहत ग्लोबल फोरम ऑन बायोलॉजिकल कंट्रोल (जीबीएफसी) में भाग लिया।

## अंतरराष्ट्रीय यात्री.....

*पादप सुरक्षा नियमों और जैव सुरक्षा जोखिम से सावधान रहें,*

### वनस्पति संगरोध कार्यालय

प्रशिक्षण और कार्यशालाएं:

# आम पर फल मक्खियों के प्रबंधन के लिए सिस्टम्स एप्रोच पर एपीपीपीसी कार्यशाला

आम पर फल मक्खियों के प्रबंधन के लिए सिस्टम एप्रोच पर एपीपीपीसी कार्यशाला 19-23 जून 2023 के दौरान मुंबई में आयोजित की गई, जिसमें एशिया प्रशांत पादप संरक्षण आयोग (एपीपीपीसी) सचिवालय एवं 14 सदस्य देशों के 36 प्रतिनिधियों ने भाग लिया ।

माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार, सुश्री शोभा करंदलाजे जी ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव (पीपी) ,कृषि एवं किसान कल्याण विभाग , डॉ. युबक धोज जी.सी., सचिव (एपीपीपीसी), डॉ. एस.एन. सुशील, निदेशक, आईसीएआर-एनबीएआईआर एवं डॉ. जे.पी. सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार की उल्लेखनीय उपस्थित रहीं।

उद्घाटन भाषण में माननीय मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे जी ने भारतीय कृषि उत्पादों की दुनिया के बाजारों तक पहुँच बनाने के लिए नाशीजीव एवं अवशेष मुक्त फलों और सब्जियों के उत्पादन पर चर्चा की , ताकि किसानों की आय बढ़ाई जा सके।

"आम में फल मक्खी के प्रबंधन के लिए सिस्टम्स एप्रोच" कार्यशाला के दौरान एपीपीपीसी सदस्य देशों में इसके सफल कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। डॉ. एस.एन. सुशील, निदेशक, आईसीएआर-एनबीएआईआर ने सिस्टम एप्रोच अवधारणा और प्रासंगिक अंतर्राष्ट्रीय मानकों (आईएसपीएम) के बारे में विस्तार से बताया। आम के नाशीजीव मुक्त उत्पादन के लिए अपनाई जाने वाली फसल पूर्व एकीकृत कीट प्रबंधन विधियों के बारे में आईसीएआर-एनबीएआईआर के पूर्व निदेशक डॉ. अब्राहम वर्गीस द्वारा विस्तार से चर्चा की। निदेशालय के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा भारत में सिस्टम एप्रोच के सफल कार्यान्वयन, रिकॉर्ड का रखरखाव, विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर संस्थागत समर्थन, किसानों के प्रशिक्षण, फसल एवं कटाई के बाद की हैंडलिंग और गर्म पानी उपचार, वाष्प उपचार एवं विकिरण उपचार प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से बताया ।

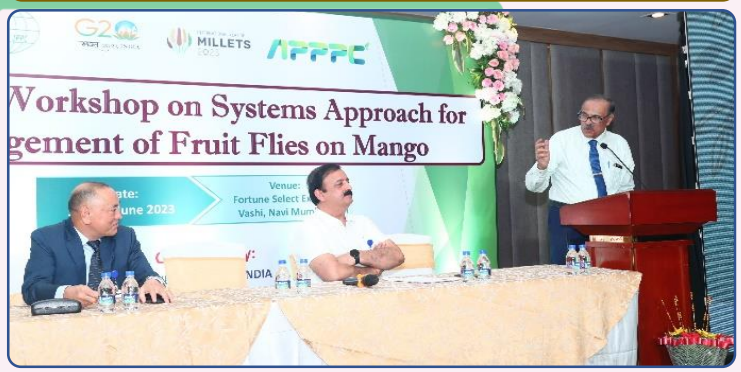

भारत में फल मक्खियों के प्रबंधन के लिए अपनाई जा रही बेहतर कृषि पद्धतियों के प्रदर्शन के उदेश्य से प्रतिभागियों को नारायणगांव, पुणे, महाराष्ट्र में स्थित आम के बगीचे और कृषि विज्ञान केंद्र के भ्रमण पर ले जाया गया।

साथ ही प्रतिभागियों को वाशी, नवी मुंबई पैक हाउस ले जाकर फल तुड़ाई के बाद प्रसंस्करण ,उपचार जैसे गर्म पानी उपचार, विकिरण और वाष्प ताप उपचार सुविधाओं से परिचित कराया गया ।

भारत द्वारा अपनाई जा रही पादप स्वच्छता निरीक्षण और प्रमाणन प्रक्रियाओं का भी प्रदर्शन किया गया ।

कार्यशाला के अंतिम दिन में विभिन्न हितधारकों जैसे एपीडा, निर्यातक संघ, पैक हाउस प्रबंधक, उपचार प्रदाताओं और महाराष्ट्र राज्य आम उत्पादक संघ के साथ प्रतिभागियों का संवाद सत्र आयोजित कर आम निर्यात पर अनुभव साझा किए गए।

# इतिहास के पन्नों से

***समय के साथ वनस्पति संगरोध....***

## 1951

**प्रथम वनस्पति संगरोध एवं प्रधुमन केंद्र**

*25 दिसंबर, 1951 को भारत में पहले प्रथम वनस्पति संगरोध एवं प्रधुमन केंद्र का औपचारिक उद्घाटन मुंबई में किया गया था।*

## 1972

**कपास आयात का विनियमन**

*25 अगस्त 1972 को, भारत में कपास के आयात के लिए नियमों को भारत के राजपत्र जी.एस.आर. 393 (ई) में अधिसूचित किया गया ।*

## 1976-78

**एन .आर.जी.पी.बी. की स्थापना**

*अगस्त, 1976 में नेशनल ब्यूरो ऑफ़ प्लांट जेनेटिक रिसोर्स (NBPGR) की स्थापना की गयी एवं वर्ष 1978 में पी.क्यु. डिवीजन के तहत कीट विज्ञान, वनस्पति रोग विज्ञान और सूत्रकृमि विज्ञान (नेमाटोलॉजी) अनुभाग बनाए गए।*

## 1989

**पीआदेश .एस.एफ.**

*27 अक्टूबर 1989 को, पौधे, फल और बीज (भारत में आयात का विनियमन) आदेश को भारत के राजपत्र एस.ओ. 867 (ई) में अधिसूचित कर लागु किया गया ।*

## 2003-04

**पी.क्यु. आदेश2003-**

*पादप संगरोध (भारत में आयात का विनियमन) आदेश, 2003 पौधों के आयात को नियमित करता है । यह आदेश एस.ओ. 1322 (ई) के तहत भारत के राजपत्र में 18 नवंबर, 2003 को प्रकाशित किया गया एवं अनुवर्ती अधिसूचनाओं के माध्यम से इसे लगातार अद्यतन किया जा रहा है ।*

जारी.....

## विदेशी परजीवी, एनागाइरस लोपेज़ी के द्वारा कसावा मिलीबग के जैविक नियंत्रण का उत्कृष्ट प्रयास

26.04.2023 को केरल के मदक्कथरा, त्रिशूर में कसावा मिलीबग (सीएमबी) के खिलाफ पैरासिटोइड्स, एनागाइरस लोपेजी के फील्ड रिलीज कार्यक्रम संयुक्त रूप से आईसीएआर-एनबीएआईआर, बेंगलुरु, आईसीएआर-सीटीसीआरआई, तिरुवनंतपुरम और एआईसीआरपी-बीसी, केरल कृषि विश्वविद्यालय ने आयोजित किया। सीआईपीएमसी, एर्नाकुलम भी इस कार्यक्रम में सहभागी रहा ।

## इलायची उत्पादकों के लिए आईपीएम प्रशिक्षण कार्यक्रम

आईपीएम आउटरीच कार्यक्रम के तहत सीआईपीएमसी, एर्नाकुलम ने पुट्टाडी, इडुक्की जिले के इलायची किसानों के लिए मसालों में एकीकृत कीट प्रबंधन और जैव-नियंत्रण एजेंटों के बड़े पैमाने पर उत्पादन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांकः 06.06.2023 को किया।

## आरसीआईपीएमसी कोलकाता में किसानो का एक्सपोजर विजिट

"आत्मा" द्वारा दिनांक को 12.05.2023 आरसीआईपीएमसी कोलकाता में किसानों के लिए एक दिवसीय एक्सपोज़र विजिट आयोजित की गई, जिसमें दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल के भांगर- II ब्लॉक के "आत्मा" से जुड़े नौ किसानों ने भाग लिया। यह भ्रमण किसानो के लिए जैव-नियंत्रण प्रयोगशाला की महत्ता पर केंद्रित था । इस दौरान किसानों को होस्ट पैरासिटोइड्स -कोरसीरा सेफालोनिका, ट्राइकोग्रामा एसपीपी., फल मक्खी ल्यूर (एमई/सीयूई) की तैयारी, जैव-कीटनाशकों (ट्राइकोडर्मा एसपीपी, ब्यूवेरिया और मेटारिज़ियम) का स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर उत्पादन तकनीक का सफतापूर्वक प्रदर्शन दिया गया।

## "नारियल सफ़ेद मक्खी की पहचान और उनका प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांकः 20.06.2023 को आई.सी.ए.आर.- सीपीसीआरआई, कायमकुलम, अलाप्पुझा द्वारा "नारियल सफेद मक्खी की पहचान और उनके प्रबंधन" पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीआईपीएमसी एर्नाकुलम के अधिकारियों ने भाग लिया ।

## स्वयं सहायता महिला समूह को आईपीएम पर प्रशिक्षण

ग्राम गुदरी, ब्लॉक: मसौली, जिला- बाराबंकी, उत्तर प्रदेश के "स्वयं सहायता महिला समूह" के प्रगतिशील महिला कृषकों को दिनांकः12 अप्रैल, 2023 को आरसीआईपीएमसी लखनऊ द्वारा जैव नियंत्रण प्रयोगशाला एवं सब्जी फसलों की आईपीएम तकनीकों के बारे में बताया गया।

# पर्यावरण दिवस

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में और 1973 से हर साल आयोजित होने वाला "विश्व पर्यावरण दिवस" पारिस्थितकी तंत्र पर चर्चा के लिए सबसे बड़ा वैश्विक मंच बन गया है।

यह दुनिया भर में लाखों लोगों द्वारा मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस 2023 के थीम #BeatPlasticPollution का लक्ष्य प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर ध्यान केंद्रित करना था।

यह कार्यक्रम पूरे देश में निदेशालय के सभी कार्यालयों में पौधे लगाकर और पारिस्थितिकी तंत्र में प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए जनता के बीच जागरूकता पैदा करके मनाया गया।

@ RPQS Bengaluru

@ RPQS Mumbai

@ CIPMC Patna

@ CIPMC Ernakulam

@ CIPMC Nashik

# "वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग"

***"आम पर फल मक्खियों के प्रबंधन के लिए सिस्टम्स एप्रोच पर एपीपीपीसी कार्यशाला" के प्रतिभागियों ने मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में सहभगिता की"***

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उदेश्य शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के कई लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। योग एक मन-शरीर अभ्यास है जिसकी उत्पत्ति हजारों साल पहले भारत में हुई थी। 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दिनांकः 21 जून को "वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग" थीम के साथ मनाया गया। जो "एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य" के लिए हमारी साझा आकांक्षा को खूबसूरती से दर्शाता है।

@ RCIPMC Lucknow

@ RCIPMC Bengaluru

@ CIPMC Sriganganagar

@ CIPMC Jalandhar

@ RCIPMC Kolkata

@ CIPMC Ernakulam

@ CIL Hqrs. Faridabad

@ CIPMC Gorakhpur

*योग अभ्यास के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए पूरे देश में स्थित निदेशालय के विभिन्न कार्यालयों में भी यह कार्यक्रम पुरे उत्साह के साथ मनाया गया।*

## द्विपक्षीय पादप स्वच्छता समझौता

रवांडा से एवोकैडो के भारत में आयात की मंजूरी पूर्व पंजीकृत एवोकैडो बागों और पैक हाउसों के ऑन-साइट सत्यापन के लिए श्रीमती सोफियो रिफंग, और डॉ. जेड ए अंसारी, उप निदेशक (की.वि.) ने 3 से 6 अप्रैल, 2023 के दौरान रवांडा का दौरा किया।

नीदरलैंड से ब्रोमेलियासी पौधों के आयात के लिए सुविधाओं के ऑन-साइट निरीक्षण के लिए डॉ. नीलम चौधरी, उप निदेशक (की.वि.) ने 5-6 अप्रैल 2023 के दौरान नीदरलैंड का दौरा किया।

## महत्वपूर्ण घटना एवं विशिष्ट उपलब्धि

एकीकृत नाशीजीवनासक प्रबंधन प्रणाली (आई.पी.एम.एस.) विकसित करने के लिए व.सं. संगरोध एवं संग्रह निदेशालय , कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार एवं भारतीय उद्योग परिसंघ के मध्य 31.05.2023 को एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) हुआ जिसमें डॉ. जे.पी. सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार और सुश्री जेन करकडा, वरिष्ठ निदेशक ने हस्ताक्षर किए । विकसित किये जाने वाले एकीकृत नाशीजीवनासक प्रबंधन प्रणाली का उदेश्य निम्नवत हैं:

- ✓ कीटनाशक निर्माताओं, आयातकों, डीलरों, खुदरा विक्रेताओं का राष्ट्रीय स्तर परऑनलाइन कीटनाशक डेटाबेस बनाना।
- ✓ कीटनाशक गुणवत्ता, पंजीकरण और लाइसेंसिंग सुचना का संग्रह एवं निगरानी करना।
- ✓ देश में कीटनाशक आपूर्ति श्रृंखला की वास्तविक समय में निगरानी रखने एवं
- ✓ किसानों को गुणवत्तापूर्ण कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने 26.06.2023 को करखियांव, वाराणसी में इंटीग्रेटेड पैक हाउस का उद्घाटन किया और दुबई और दोहा में निर्यात के लिए लंगड़ा आम और हरी मिर्च की खेप को हरी झंडी दिखाई।

# सी.आई.पी.एम.सी. कार्यालयों की वार्षिक बैठक-2022-23

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान हासिल की उपलब्धि एवं नए वित्तीय वर्ष 2023-24 की कार्य योजना की समीक्षा के लिए केंद्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्रों (सीआईपीएमसी) की वार्षिक बैठक 2 और 3 जून, 2023 के मध्य वाराणसी (यूपी) में आयोजित की गई थी। इस समीक्षा बैठक की अध्यक्षता में श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव (पीपी) ने किया तथा डॉ. जे.पी. सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार तथा निदेशालय के अन्य वरीय अधिकारी भी उपस्थित रहें ।

सभी सी.आई.पी.एम.सी. प्रभारियों ने वर्ष 2022-23 के लिए अपनी उपलब्धियां और 2023-24 के लिए कार्य योजना प्रस्तुत की। श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव (पीपी) ने भारत में कृषक समुदाय के बीच आईपीएम तकनीक को बढ़ावा देने के लिए डीपीपीक्यूएस और आईपीएम टीम की सराहना की और आरसीआईपीएमसी लखनऊ द्वारा आयोजित आईपीएम प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

## अंतर्राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य दिवस (आईडीपीएच - 2023)

12 मई 2023 को एनआईपीएचएम, हैदराबाद में अंतर्राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य दिवस (आईडीपीएच-2023) के अवसर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में श्री बोल्ली वेणु बाबू, स. वनस्पति सं. अधिकारी (की.वि.) को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

NATIONAL INSTITUTE OF PLANT HEALTH MANAGEMENT
Rajendranagar, Hyderabad - 500 030 (India)
Department of Agriculture & Farmers Welfare
Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
Government of India

INTERNATIONAL DAY OF PLANT HEALTH

Certificate of Appreciation

This is to certify that Mr/Dr/Shri: Bolli Venu Babu, APPO (Ento) has participated and awarded Second prize in the elocution competition conducted on the occasion of International Day of Plant Health (IDPH-2023) on 12th May 2023.

Dr. Om Prakash Sharma
Director (PHM)

Dr. Sagar Hanuman Singh
Director General

## आई.पी.एम. सेवा केंद्र का उद्घाटन

मसाला बोर्ड एवं केरल कृषि विकास सोसायटी (केएडीएस) पीसीएल के सहयोग से सीआईपीएमसी एर्नाकुलम द्वारा "मसालों के लिए आईपीएम सेवा केंद्र" 23 मई 2023 को केएडीएस विलेज स्क्वायर, थोडुपुझा, इडुक्की जिले में प्रारम्भ किया गया। "आईपीएम सेवा केंद्र" का उद्देश्य कृषक समुदाय के बीच स्थानीय स्तर पर आईपीएम इनपुट जैसेः जैव नियंत्रण एजेंट, प्रकाश प्रपंच, रोडेन्ट ट्रैप , फेरोमोन ट्रैप, स्टिकी ट्रैप, न्यूक्लियर पॉलीहेड्रोसिस वायरस (एनपीवी), पक्षी पर्चर, बीज उपचार ड्रम, नीम/मेलिया बीज गिरी अर्क, गाय के गोबर की राख आदिकी उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

## किसान महोत्सव एवं प्रदर्शनी

सीआईपीएमसी जयपुर ने कृषि विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 16-18 जून, 2023 के दौरान जयपुर में और 26-27 जून के दौरान उदयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय किसान महोत्सव और प्रदर्शनी में भाग लिया। प्रदर्शनी के दौरान लगभग 8000 किसानों, राज्य कृषि अधिकारियों, छात्रों ने सीआईपीएमसी जयपुर के स्टॉल का दौरा किया।

आगंतुकों को ट्राइकोडर्मा स्पी., मेटारिज़ियम स्पी., ब्यूवेरिया बैसियाना, स्यूडोमोनास फ्लोरेसेंस, ट्राइकोग्रामा स्पी., रेडुविड बग जैसे विभिन्न जैव नियंत्रण एजेंटों के उत्पादन और उपयोग के बारे में बताया गया।

## पशु प्रदर्शनी एवं कृषि मेला

आरसीआईपीएमसी लखनऊ ने 6 से 7 अप्रैल, 2023 को मुजफ्फरनगर, यूपी में आयोजित पशु प्रदर्शनी एवं कृषि मेले में भाग लिया। डॉ. संजीव बालियान, माननीय राज्य मंत्री, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन, भारत सरकार, और श्री धर्मपाल सिंह, माननीय मंत्री, पशुपालन, डेयरी विकास, उत्तर प्रदेश सरकार, ने आईपीएम प्रदर्शनी स्टाल का भ्रमण किया।

सत्यमेव जयते

# भारत के राजपत्र - महत्वपूर्ण अधिसूचनाएं

**विनाशकारी कीट एवं पीड़क अधिनियम, 1914 (1914 का 2) की धारा 3 की उपधारा (1) में**

एस. ओ. 1801(ई), 21 अप्रैल, 2023 के द्वारा पादप संगरोध (भारत में आयात का विनियमन) आदेश, 2003 की अनुसूची II में निम्न प्रविष्टियाँ जोड़ी गईं--

1. भूमि सीमा शुल्क स्टेशन, नागराकाटा (पश्चिम बंगाल)

2. भूमि सीमा शुल्क स्टेशन. कुलकुली (पश्चिम बंगाल)

**जी.एस.आर.315(ई), 25 अप्रैल, 2023,** अधिसूचना द्वारा कीटनाशक नियम, 1971 में, नियम 10 में, उप-नियम (1ए) में, पहले प्रावधान में, अंक, अक्षर और शब्द "31 दिसंबर, 2022" के स्थान पर, अंक, अक्षर और शब्द "31 दिसंबर, 2023" विनाशकारी कीट एवं पीड़क अधिनियम, 1914 (1914 का 2) की धारा 3 की उपधारा (1) में प्रतिस्थापित किया जाएगा।

**एस.ओ.2161(ई).,9 मई, 2023**–राजभाषा (संघ के आधिकारिक प्रयोजनों के लिए उपयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) में, केंद्र सरकार इसके द्वारा अधिसूचित करती है वनस्पति संरक्षण, संगरोध और भंडारण निदेशालय, फ़रीदाबाद, कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय का एक संलग्न कार्यालय, पादप संगरोध केन्द्र, मंगलुरु , प्लॉट नंबर .-323/एफ-1, केआईएडीबी औद्योगिक क्षेत्र, बैकमपाडी, मंगलुरु-575011 (कर्नाटक) के 80% कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है ।

**एस. ओ. 2153(ई). - 10 मई, 2023** द्वारा पादप संगरोध (भारत में आयात का विनियमन) आदेश, 2003 की अनुसूची II में निम्न प्रविष्टियाँ जोड़ी गईं:

1. अंतर्देशीय कंटेनर डिपो. तालेगांव (पुणे) महाराष्ट्र
2. अंतर्देशीय कंटेनर डिपो, भंबोली (पुणे) महाराष्ट्र

**एस.ओ. 2160(ई). – 10 मई, 2023** द्वारा मुरैना, मध्य प्रदेश में नया केंद्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्र की स्थापना |

**एस.ओ. 2360(ई). - 25 मई, 2023** द्वारा अधिसूचित किया गया कि पादप संगरोध (भारत में आयात का विनियमन) आदेश, 2003 की अनुसूची-I में "हवाई अड्डे" शीर्षक के तहत 18. डाबोलिम (गोवा) 26. एमओपीए (गोवा) प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

**जी.एस.आर. 406(ई) 31 मई, 2023** - मसौदा नियम: मौजूदा खुदरा विक्रेता या डीलर की मृत्यु के मामले में, लाइसेंस की अवधि के दौरान मृत खुदरा विक्रेता या डीलर के परिवार के सदस्य उसके नाम पर लाइसेंस स्थानांतरित करने की अनुमति के लिए उत्तराधिकार कानूनों की प्रयोज्यता और मृत डीलर या खुदरा विक्रेता का मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के अधीन संबंधित लाइसेंसिंग अधिकारी के समक्ष आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते कि मृत खुदरा विक्रेता या डीलर के परिवार के सदस्य जो निर्धारित योग्यता के बिना हैं, उन्हें लाइसेंस के हस्तांतरण के लिए कीटनाशक प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम से गुजरना होगा। लाइसेंस को अनंतिम रूप से एक वर्ष की अवधि के लिए या परिवार के सदस्य द्वारा कीटनाशक प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा करने तक, जो भी पहले हो, परिवार के सदस्य को हस्तांतरित किया जा सकता है। इस अवधि के दौरान आवेदक निर्धारित शैक्षणिक योग्यता वाले व्यक्ति को नियोजित कर सकता है।

**एस.ओ.2680(ई). 12 जून, 2023-** पादप संगरोध (भारत में आयात का विनियमन) आदेश, 2003 की अनुसूची VI में संशोधन - निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ सम्मिलित की गईं--- क्रम संख्या 785, शोरिया रोबस्टा (साल), बीज/कर्नेल, नेपाल।

डॉ. जे.पी. सिंह, पीपीए ने आम के फलों के निर्यात में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं पर डीडी किसान चैनेल व्याख्यान दिया।

श्री ज्ञानेश्वर बंछोर,उप.निदेशक. (की.वि.) द्वारा मक्का की फसल में फॉल आर्मी वर्म कीट के प्रबंधन पर दिए गए व्याख्यान का प्रसारण डीडी किसान चैनेल पर हुआ ।

## मीडिया कवरेज

19-23 जून, 2023 के दौरान मुंबई में आम पर फल मक्खियों के प्रबंधन के लिए सिस्टम एप्रोच पर पांच दिवसीय एपीपीपीसी कार्यशाला वीडियो कवरेज एवं प्रसारण डीडी सह्याद्री, महाराष्ट्र द्वारा किया गया ।

## पार्थेनियम: एक अवांछित एलियन

**कब और कैसे**

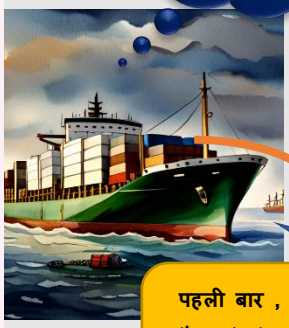

पहली बार , वर्ष 1955 में पुणे से पार्थेनियम की सुचना आयी

- ✓ *पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस, अथवा कांग्रेस घास या गाजर घास।*
- ✓ 1950 के दशक के दौरान भारत, अन्न की कमी से जूझ रहा था, तभी सरकार ने पीएल 480 के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका से गेहूं आयात करने का निर्णय लिया।
- ✓ आयातित गेहूँ, पार्थेनियम के बीजों से दूषित था।

समय के साथ अब तक यह पूरे देश में यह खरपतवार फैल चुका है , यहां तक कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भी मिल रहा है। अब तक यह भारत में 35 मिलियन हेक्टेयर से अधिक भू-क्षेत्र को प्रभावित कर चुका है।

- ✓ इसके आक्रमण के कारण कई फसलों की उपज में 40% तक की हानि हुई है और चारा उत्पादन में भी 90% की गिरावट आई है।
- ✓ कृषि क्षेत्र में नुकसान के अलावा यह लोगों में त्वचा की समस्या एवं एलर्जी का कारण बन रहा है, पार्थेनियम पशुओं के लिए भी जहरीला है, जिससे एलोपेसिया, त्वचा रंजकता का नुकसान, त्वचा - सूजन एवं दस्त की समस्या आ रही है।

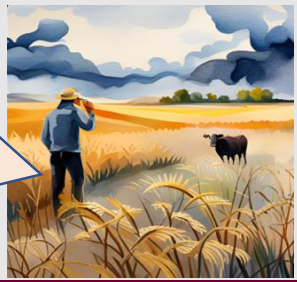

पंजाब सर्कार द्वारा "पूर्वी पंजाब कृषि कीट, रोग और हानिकारक खरपतवार अधिनियम, 1949" के सख्त नियमों की सहायता से पंजाब के कुछ क्षेत्रों को पार्थेनियम मुक्त घोषित किया गया है।

**कार्य योजना**

पार्थेनियम की प्रभावी नियंत्रण के लिए सामुदायिक प्रयास की आवश्यकता है जिसमें सामान्य नागरिक, गैर सरकारी संगठनों एवं स्थानीय नागरिक निकायों जैसे ग्राम पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम आदि की भागीदारी जरुरी हैं।

प्रभावित राज्यों में पार्थेनियम नियंत्रण के लिए कानूनी प्रावधान करकें।

इसके दुष्परिणामों के प्रति जनता में जागरूकता पैदा करकें ।

"एक साल के बीज, सात साल की समस्या"
अत: बेहतर है की तुरंत करवाईं शुरू करें...

श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव (पीपी) और डॉ. जे.पी. सिंह, पीपीए ने आरपीक्यूएस, अमृतसर में संग्रहालय का दौरा किया ।

DID YOU KNOW ?

# कॉफ़ी रस्ट - चाय के लिए वरदान

17वीं सदी की शुरुआत में ही यूरोपीय लोग कॉफी के आदी बन गए थे एवं इस कारण से यूरोप के सभी प्रमुख शहरों में काफी संख्या में कॉफ़ीहाउस खुले थे।

समझदार डच व्यवसायियों ने कॉफी - व्यापार में अवसर देखा और में सीलोन 1658से जुड़े उपनिवेशों में कॉफी उगाना शुरू कर दिया था। वर्ष में 1796 सीलोन का नियंत्रण अंग्रेजों के हाथ में आ गया। के दशक तक 1870, सीलोन के बागान प्रति वर्ष लगभग मिलियन पाउंड कॉफी का निर्यात कर रहे थे 100, इसमें से अधिकांश इंग्लैंड को जाता था । कुछ दशकों तक, सीलोन दुनिया का शीर्ष कॉफी उत्पादक देश बना रहा ।

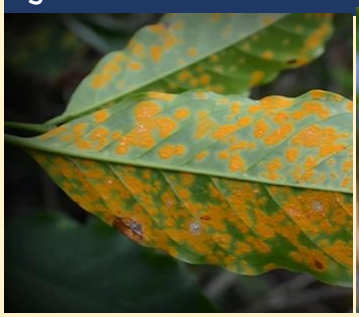

## कॉफ़ी रस्ट कवक - एक विध्वंसकारी नाशीजीव

1869 में, कॉफी रस्ट फंगस *हेमिलीया वास्टैट्रिक्स* सीलोन में प्रवेश किया और पूरे बागानों को नष्ट कर दिया।

इसलिए सीलोन के उत्पादक कॉफी की जगह चाय उगाना शुरू कर दिया,

कॉफ़ी रस्ट फैलने के बाद से, सीलोन को दुनिया की बेहतरीन चाय के निर्यातक के रूप में जाना जाता है।

इस प्रकार बड़ी आबादी ने **कॉफी** की जगह **चाय** पीना शुरू कर दिया ।

**- एक विध्वंसकारी नाशीजीव, लोगों के खानें का टेस्ट भी बदल सकता है।**


## प्रकाशित:

**वनस्पति संरक्षण सलाहकार**

**वनस्पति संरक्षण संगरोध एवं संग्रह निदेशालय,**

**सीजीओ कॉम्प्लेक्स, एनएच-IV, फरीदाबाद, हरियाणा - 121001**

**दूरभाष: 0129-2413985, ईमेल:-ppa@nic.in**

## डिज़ाइन एवं संकलनकर्ता:

**श्री ज्ञानेश्वर बंछोर, उप निदेशक (की.वि.), श्री बी बी कुमार, व.सं.अधि. (ख.वि.), श्री विशाल एल गटे, व.सं.अधि. (व.रो.वि.), डॉ. संतोष पी. पटोले, व.सं.अधि. (व.रो.वि.) सुश्री भावना आर. सिंह, सहा.व.सं.अधि. (की.वि.), और श्री रोहित एम., सहा.व.सं.अधि. (व.रो.वि.)**